फोनियो मलिट

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

फोनियो, **पश्चिम अफ्रीका (जैसे, घाना) का प्राचीन मलिट अथवा** कदन्न है जो, **जलवायु परविर्तनों के प्रतिआघात सहनीयता, सुकर जुताई और जल की न्यूनतम आवश्यकता** के साथ **अल्प उपजाऊ भूमि में वृद्धि की क्षमता** के लिये जाना जाता है।

- इसकी **अनुकूलनशीलता और पोषण मान के कारण** इसे प्रायः **चमत्कारिक अनाज की संज्ञा दी जाती है।**
- **परंपरागत रूप से फोनियो की खेती फुलानी जनजाति** द्वारा की जाती है, जो अफ्रीका की **सबसे बड़ी घुमंतू जनजाति है।**
  - यह अत्यधिक **बहु उपयोगी है और इसका उपयोग सलाद, दलिया, पास्ता, ब्रेड** में किया जा सकता है या साइड डिश के रूप में परोसा जा सकता है।
  - **इसकी खेती शुष्क और अद्ध-शुष्क क्षेत्रों** में की जा सकती है और इसकी **जल खपत बहुत अधिक नहीं** होती है।
- **यह भारतीय कदन्न जैसे सिकिया और रायशान** के समान है। सिकिया, **बैगा जनजाति** का प्रमुख कदन्न है और इसकी खेती **मध्य प्रदेश** के कुछ भागों में की जाती है।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष **2023** को अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष घोषित किया गया है।
  - किसानों द्वारा **अल्प लाभ अर्जन के कारण कदन्न** उत्पादन को प्राथमिकता नहीं दी जाती है। उदाहरण के लिये,**ओडिशा की नियमगिरि पर्वतों में**, **लाभ अर्जन के कारण** कदन्न के स्थान पर **अनानास की खेती** की जा रही है।

और पढ़ें: भारत की मलिट क्रांति

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/fonio-millet